





छत्तीसगढ़

नांदगांव टाइम्स

राजनांदगांव • बुधवार • 18 जून 2025 •

ज्ञान मंथन

- 1) किस राज्य में नलकूपों द्वारा सिंचित भूमि क्षेत्र सबसे अधिक है?
- 2) स्टीडफ़स्ट नून शब्द किस अंतर्राष्ट्रीय संगठन से संबंधित है?
- 3) भारत की मुख्य भूमि को रामेश्वरम द्वीप से कौन अलग करता है?
- 4) इण्डिया नाम किस नदी से आया है?
- 5) वाट फ़ू एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल किस देश में स्थित है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) उत्तरप्रदेश (2) नादो (3) एमन पैनल (4) सिंधु नदी (5) लाओस==

सरकार मस्त जनता  
त्रस्त : अंजू शैलेश साहू

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सरकार मस्त है सुराशन मनाने में और एक प्रदेश के संस्कारभानी जिला राजनांदगांव में अराजकता का माहौल फैला जिस प्रशासन को सहायता नहीं दी जा रही है। जिला में अब तक कुल 1693 परकोलेसन टैक का निर्माण किया जा चुका है, जो भूजल रिचार्ज की प्राकृतिक संरचनाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन टैकों के निर्माण के लिए जिला सरकार और ग्राम पंचायतों के बीच सहयोग की आवश्यकता है।

मौसम में अराजकता का माहौल फैला जिस प्रशासन को सहायता नहीं दी जा रही है। जिला में अब तक कुल 1693 परकोलेसन टैक का निर्माण किया जा चुका है, जो भूजल रिचार्ज की प्राकृतिक संरचनाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन टैकों के निर्माण के लिए जिला सरकार और ग्राम पंचायतों के बीच सहयोग की आवश्यकता है।

निधन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्थानीय शंकरपुर निवासी पूरुलाल नागवंशी को आज 17 जून मंगलवार को दोपहर 3 बजे निधन हो गया है। वे जेलन बुद्ध विहार के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। मृतधर्मियों के परिवार में श्री नागवंशी अपने पिछे भारागुरा परिवार छोड़ गये। उनकी अंतिम यात्रा 18 जून बुधवार को प्रातः 10 बजे निज निवास से शंकरपुर सुनिश्चान हेतु निकाली जायेगी।

धर्म समाचार...

आषाढ़ गुरु नवरात्रि 26 जून से शुरू हो रही है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों को गुरु रूप से साधना की जाती है। इस अवसर पर माता रानी के कुछ प्यारे भजन जैसे भोर भैंर दिन चढ़ गया मेरी अंबे ध्यार सजा है तेरा दार भवानी और चलो लखवा आया है मुने जा सकते हैं।

**गुप्त नवरात्र में मुनें माता रानी के ये भजन**

भक्तों को यह भजन जरूर पसंद आता है और हर मंदिर में चलता है।

**ध्याय सजा है तेरा दार भवानी**

लखवा लखि लखवा की आवाज भक्तों का गायन था यह भजन जब भी आया सुनें। आपकी भा के भय भंडाल को याद जरूर आ जाएगा, जहां भी आपने मां के दर्शन किए होंगे।

**चलो लुलया आया है**

अवतार सिंघ में माता वेणो देवी को चढ़ाई के दौरान इस भजन को सिंघाया गया था। मंदिर चढ़, आशा भोसले और

नंद चंचल की आवाज में गाए गए इस भजन को सुनकर आज भी लसा लगता है कि माता के दरवार में जाने का समय आ गया है।

**मेरी झोलो छोटो पड़ गई**

हलांकि, इसका को चाल कभी पूरी नहीं होती है। उसे चाहें जितना भी मिल जाए कम ही लगता है। पर, नंद चंचल की जादुई आवाज में 'मेरी झोलो छोटो पड़ गई' तेरा हवाला देते माता भजन सुनकर आत्म संतुष्टि मिलती है। सच में लगता है कि मां की कृपा से इतना मिल गया है, जितने की हमने उम्मीद की नहीं की थी।

**तुने मुझे लुलया रोस चारिए**

इस भजन में माता वेणो देवी के कई नामों से पुकारा गया है। अला सिंघ के इस गीत को मोहनदर रंकर और नंद चंचल ने आवाज दी थी, जिसका संगीत लखवाकर-प्यारेलाल ने दिया था। इसके अलावा आप मन लेते आशा माता गीत में भी, मेरी-नी-नी लखवा आया गीत गीत में तुने पुकारी और लाली-लाली लाल चुनरिया सहित अपनी चढ़ाई के और भी भजन सुन सकते हैं और आपकी भाँक भावना को बखूबी दें।

**पितृ दोष से हो रहे हैं परेशान, आषाढ़ अमवास्या पर ऐसे करें पूजा**

आषाढ़ अमवास्या पितरों को समर्पित है जो 25 जून को है। इस दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए तर्पण दान और पूजा का महत्व है। कुड़ली में पितृ दोष पर जीवन में कई परेशानियाँ आती हैं। इन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए पितरों में स्नान करके पितरों के नाम पर दान करे। हर अष्टौ ही अति जाती अमवास्या तिथि पितरों को समर्पित होती है।

**आषाढ़ अमवास्या पर करें ये काम तुम होकर पितृ देवो आरिवादि**

पितरों को देव तुल्य माना जाता है। हर शुभ काम में यहाँ तक कि विवाह के मके पर भी उनका आसन किया जाता है। जिस पर में पितृ प्रसन्न होते हैं, वहाँ सुख और संपत्ति का साथ परिवार में बुद्धि होती है। जिन लोगों के पितृ तुल्य नहीं होते हैं, जिनकी आत्मा को मोह नहीं मिला पाता है, उन चर में क्लेश, विवाद, आर्थिक और शारीरिक परेशानी आने के साथ ही तरह-तरह की मुसीबतें आती हैं। कुड़ली में भी पितृ दोष होने पर सम्पत्ता और गंभीर हो जाती है। ऐसे में अमवास्या तिथि पर पितरों को संतुष्ट करने और उनकी आत्मा को शांति करने के लिए कुछ उपाय हर किसी को करने चाहिए। यह दिन स्नान, दान और तर्पण के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। आषाढ़ महिने की अमवास्या तिथि 24 जून को शाम 7 बजे शुरू होगी और 25 जून को शाम 02 मिनट पर समाप्त होगी। अर्वातिथि को लेने की वजह से 25 जून 2025 को बुधवार के दिन अमवास्या तिथि मनाई जाएगी। आशा जाते हैं पितरों की तुष्टि के लिए आषाढ़ अमवास्या को आप कर सकते हैं क्या उपाय।

**एसा होने पर लगना है पितृ देव - कुड़ली में दूत, सीधे, पाचवे, सालवे, नीवे और सववे भाव में सूर्य राहु या सूर्य शनि की युति हो।** लगने का उच्छे, अन्वरे, बाहवे भाव में होने और लगन में राहु के होने पर भी पितृ दोष लगता है। इसके अलावा कुछ अन्य स्थितियाँ कुड़ली में वनने पर पितृ दोष होता है, जिसकी जानकारी किसी योग्य ज्योतिषी से लेनी चाहिए।

जल संरक्षण की दिशा में राजनांदगांव का अभिनव कदम

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राजनांदगांव कार्य किया जा रहा है। जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

हादसों में आए कमी, गौसेवकों की अनूठी पहल-गौवंशों को बांधे जा रहे रैडियम बेल्ट

बचाव हो सके। इस अभियान का उद्देश्य स्पष्ट है-गौसेवा और जनसुक्षा। वर्षों से दुर्घटना कम होने से गौवंशों के साथ दुर्घटना बढ़ जाती हैं, जिसे रोकने इस बार राजनांदगांव के गौसेवकों, गौवसेवकों, पशु चिकित्सकों व संस्थाओं के सहयोग से 1000 गौवंशों को रैडियम बेल्ट पहनाने का सफल रखा गया है।

झेरिया धोबी समाज का बैटक हुआ सम्पन्न

प्रतिवर्ष 23 श्रवरी को संत शिरोमणि गाडो जी महाराज की जयंती जिला स्तरीय मनाई जाएगी। राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला झेरिया धोबी समाज राजनांदगांव की बैटक शांतिपूर्वक चिखली वाई नंबर 5 दीनदयाल नगर तिथि जिला समाजिक भवन में रविवार को संपन्न हुआ है। बैटक के पूर्व भगवान शिव की पूजा अर्चना कर पूरा माला चढ़ाया गया तत्पश्चात सामाजिक पदाधिकारियों एवम् कार्यकर्ताओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया है।

गुप्त नवरात्र की सुबह-शाम मुनें माता रानी के ये भजन, बनी रहेगी सकारात्मक ऊर्जा

**गुप्त नवरात्र की सुबह-शाम मुनें माता रानी के ये भजन, बनी रहेगी सकारात्मक ऊर्जा**

नंद चंचल की आवाज में गाए गए इस भजन को सुनकर आज भी लसा लगता है कि माता के दरवार में जाने का समय आ गया है।

**मेरी झोलो छोटो पड़ गई**

हलांकि, इसका को चाल कभी पूरी नहीं होती है। उसे चाहें जितना भी मिल जाए कम ही लगता है। पर, नंद चंचल की जादुई आवाज में 'मेरी झोलो छोटो पड़ गई' तेरा हवाला देते माता भजन सुनकर आत्म संतुष्टि मिलती है। सच में लगता है कि मां की कृपा से इतना मिल गया है, जितने की हमने उम्मीद की नहीं की थी।

**तुने मुझे लुलया रोस चारिए**

इस भजन में माता वेणो देवी के कई नामों से पुकारा गया है। अला सिंघ के इस गीत को मोहनदर रंकर और नंद चंचल ने आवाज दी थी, जिसका संगीत लखवाकर-प्यारेलाल ने दिया था। इसके अलावा आप मन लेते आशा माता गीत में भी, मेरी-नी-नी लखवा आया गीत गीत में तुने पुकारी और लाली-लाली लाल चुनरिया सहित अपनी चढ़ाई के और भी भजन सुन सकते हैं और आपकी भाँक भावना को बखूबी दें।

